कृषि नवाचार, जल संरक्षण और कौशल विकास से किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

कृषि विज्ञान केंद्र संगरिया की 30वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति (SAC) की बैठक में कृषि विकास की भावी रणनीति पर हुआ मंथन

कृषि विज्ञान केंद्र, ग्रामोत्थान विद्यापीठ, संगरिया की 30वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन आज दिनांक 18 नवंबर, 2026 को ग्रामोत्थान विद्यापीठ के सचिव सुखराज सिंह सलवारा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि डॉ. जे.पी. मिश्रा, निदेशक अटारी, जोधपुर तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. दीपाली धवन, निदेशक प्रसार शिक्षा, एसकेआरएयू, बीकानेर व डॉ. एच.एन. मीणा, प्रधान वैज्ञानिक, अटारी, जोधपुर थे।

बैठक का आरंभ स्वामी केशवानंद जी को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनूप कुमार ने बैठक में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत किया। बैठक के दौरान किसानोपयोगी किसान उत्पादन संगठन से संबंधित प्रशिक्षण पुस्तिका का विमोचन किया गया। केंद्र के पादप वैज्ञानिक डॉ. उमेश कुमार ने बैठक का एजेंडा तथा कार्ययोजना प्रस्तुत की तथा गत वर्ष किए गए कार्यों के बारे में सदन को अवगत कराया। इसके पश्चात डॉ. अनूप कुमार तथा सभी विषय विशेषज्ञों उमेश कुमार, महावीर प्रसाद, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. कुलदीप सिंह ने अपनी गत वर्ष की अनुसंधान व कार्यों की प्रगति रिपोर्ट तथा आगामी कार्य योजना प्रस्तुत की।

बैठक में मुख्य अतिथि डॉ. जे.पी. मिश्रा, निदेशक, अटारी, जोधपुर, विशिष्ट अतिथि डॉ. दीपाली धवन, निदेशक प्रसार शिक्षा, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर तथा अध्यक्षता एडवोकेट सुखराज सिंह सलवारा, सचिव, ग्रामोत्थान विद्यापीठ, संगरिया ने की। बैठक में सर्वप्रथम गत वर्ष की कार्यवाही एवं अनुपालना रिपोर्ट (Action Taken Report) श्री उमेश कुमार, विषय वस्तु विशेषज्ञ (पादप संरक्षण) द्वारा प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात डॉ. अनूप कुमार ने कृषि विज्ञान केंद्र की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए झींगा पालन जैसे नवीन कृषि उद्यमों एवं नवाचारों की जानकारी दी।

मुख्य अतिथि डॉ. जे.पी. मिश्रा ने कृषि विज्ञान केंद्र को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वरोजगार आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करने, युवाओं को रोजगारोन्मुखी बनाने तथा रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के विवेकपूर्ण उपयोग हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने 'वेस्ट टू वेल्थ' की अवधारणा को बढ़ावा देने, झींगा पालन को क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण से विकसित करने तथा केवीके संगरिया, नोहर, सरदारशहर एवं चांदगोठी को संयुक्त रूप से कार्य करने की सलाह दी। साथ ही महिला सशक्तीकरण के लिए कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन एवं पशुपालन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

कृषि विभाग, हनुमानगढ़ के सहायक निदेशक श्री बलकरण सिंह ने फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया। आत्मा परियोजना के परियोजना निदेशक श्री सुभाष डूडी ने PRA अध्ययन में सिंचाई जल की समस्या को प्रमुखता से रेखांकित करते हुए NICRA के अंतर्गत मल्टीक्रॉप बेड प्लांटर तकनीक से होने वाली जल बचत की सराहना की तथा इस तकनीक को अधिक किसानों तक पहुँचाने की आवश्यकता बताई। डॉ. रमेश बराला ने उद्यानिकी विभाग के सहयोग से एकीकृत पॉलीहाउस विकसित करने का सुझाव दिया। डॉ. प्रदीप कुमार, सहायक आचार्य, कृषि अनुसंधान केंद्र, श्रीगंगानगर ने OFT एवं FLD की आगामी कार्ययोजना को जोनल कृषि अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार कमेटी (ZZAREC) में प्राप्त सुझावों के अनुरूप संशोधित करने पर बल दिया।

बीज संयंत्र प्रबंधक डॉ. मदन लाल ने कृषकों की सहभागिता से उनके खेतों पर बीज उत्पादन कार्यक्रम संचालित करने के लिए कृविके के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। अटारी के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एच.एल. मीणा ने किसानों के लिए ड्रिप सिंचाई तकनीक को उपयोगी बताते हुए इसके अधिकाधिक प्रसार की आवश्यकता बताई। विशिष्ट अतिथि डॉ. दीपाली धवन ने कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन तथा सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के माध्यम से कृषि तकनीकों एवं वैज्ञानिक सलाह को अधिकाधिक किसानों तक पहुँचाने पर जोर दिया।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे एडवोकेट सुखराज सिंह सलवारा ने अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों में किसानों के साथ तुलनात्मक परिणामों का स्पष्ट प्रस्तुतीकरण करने तथा खेत भ्रमण के दौरान डिजिटल फीडबैक प्राप्त कर उसे वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरण का हिस्सा बनाने का सुझाव दिया। बैठक में प्राप्त सुझावों के आधार पर कृषि विज्ञान केंद्र की आगामी कार्ययोजना को अधिक प्रभावी, परिणामोन्मुखी एवं किसान-केंद्रित बनाने पर सहमति व्यक्त की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की कृषि चुनौतियों के समाधान, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, आधुनिक तकनीकों के प्रसार, कृषि उद्यमिता एवं किसानों की आय में वृद्धि हेतु संस्थागत समन्वय को सुदृढ़ करना रहा।

बैठक में केवीके, नोहर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. सुरेश चंद्र कांटवा, डीडीएम नाबार्ड जुबेर परिहार, एलडीएम सुरेंद्र सिंह, उप निदेशक (पशुपालन) डॉ. राकेश गांधी, श्रीगंगानगर सीआईपीएमसी के सहायक निदेशक डॉ. प्रकाश चंद्रा, कृषि अधिकारी विनोद पोटलिया, इफ्को से विजय सिंह लांबा, एटीसी से डॉ. अनिल कुमार व डॉ. बलवान सिंह इत्यादि अधिकारियों के साथ-साथ कृषक व कृषक महिलाएं अरविंद धारणिया, राजेंद्र साइच, खुशप्रीत कौर, पूजा यादव, सुनीता कंवर इत्यादि उपस्थित रहे।



